मध्य प्रदेश में खजुराहो के साथ रेल सम्पर्क

*214. **श्री केशव प्रसाद शुक्ल** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल खजुराहो को रेल सेवा से जोड़ने के बारे में कोई योजना सरकार के विचाराधीन है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार द्वारा इस संबंध में कोई सर्वेक्षण कराया गया है; और

(ग) यदि हां, तो इस योजना की अनुमानित लागत क्या है और इसका कार्य कब तक आरम्भ हो जाने की संभावना है ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) जी नहीं ।

(ख) जी हां।

(ग) महोबा से खजुराहो तक रेल लाइन की अनुमानित लागत लगभग 36 करोड़ रुपये है। इस समय इस कार्य को शुरू करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

श्री केशव प्रसाद शुक्ल : महोदय, खजुराहो एक अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पर्यटन स्थल है। इस स्थान तक दिल्ली से खजुराहो तक वायु सेवा उपलब्ध है, किंतु यहां तक रेलवे लाईन न होने से देश-विदेश के लाखों पर्यटक इस पर्यटन स्थल को देखने से वंचित रह जाते हैं। यह स्थान मध्य प्रदेश से, सतना रेलवे स्टेशन से 124 किलोमीटर और झांसी से 175 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। दोनों तरफ से वहां पहुंचने के लिए कष्टकारी यात्रा करनी पड़ती है।

मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इस प्रसिद्ध स्थान की उपेक्षा करने का क्या कारण है ?

श्री माधवराव सिंधिया : माननीय सभापति महोदय स्थान की उपेक्षा करने का तो सवाल ही नहीं उठता है। इसका प्राथमिक सर्वेक्षण किया गया था और इस प्राथमिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट अगस्त 1985 में प्रस्तुत की गई थी और इस रिपोर्ट के अनुसार जो आय होनी चाहिए, वह 10 प्रतिशत से कम है, बल्कि मात्र डेढ़ प्रतिशत है। इसीलिए क्योंकि इसकी आय नियमानुसार या मापदण्ड अनुसार नहीं थी यह निर्णय लिया गया कि इस लाईन पर अभी कार्य प्रारम्भ नहीं किया जाएगा।

श्री केशव प्रसाद शुक्ल : मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या भविष्य में इस पर कार्य चालू होगा ?

श्री माधवराव सिंधिया : माननीय सभापति महोदय, मैं ज्योतिषी तो नहीं हूं, पर अभी कोई सम्भावना नहीं है।

SHRI DHARAM CHANDER PRASHANT: Mr. Chairman, Sir, the Ajanat caves which are also of historical an tourist importance and interest is not under rail link. People have to go to see Ajanta caves through Aurangabad by buses which is quite inconvenient. Will the Minister arrange this rail link from Aurangabad to Ajanta caves?

MR. CHAIRMAN: No, no. Shri Jagesh Desai.

SHRI JAGESH DESAI: Mr. Chairman, Sir, I can understand the difficulties of the Railway Minister for providing railways but from Abu Station to Mount Abu, buses are run by railways through out-agencies. Similarly, will buses be run by the Railways through out-agencies from Harpalpur to Khajuraho? The buses which are provided now are so bad that it is very difficult to travel by them. So, at least, Railway Department can consider running buses as out-agencies from Harpalpur to Khajuraho.

SHRI MADHAVARAO SCINDIA: Sir, the Railways have been very great sufferer of trespass. This is a particular act which will not be committed with me and will not trespass into the area of my colleague, Mr. Rajesh Pilot. I think this comes under his department.

MR. CHAIRMAN: But why did you trespass in the other case? You are running out-agencies in other places.

SHRI MADHAVARAO SCINDIA: Sir, that was a historical trespass which I am not responsible for.

MR. CHAIRMAN: It is not a good answer. You see, you can't take shelter under the fact that it is not. Whereas you see in other cases also, you are running out-agencies you must say whether it is possible or not. What is your objecction to it?

SHRI MADHAVARAO SCINDIA: Sir, there is an integrated transport system envisaged in this country but we are in early stages of planning for this integrated transport system for the future, the bus services will come under the purview of the Madhya Pradesh Government in this particular case or under the Surface Transport Ministry and we have no plans at all to run buses in future. In fact, I am glad, the hon. Member pointed it out. I think that we should examine whether we should terminate the buses that are already being run by the Railways.

श्रीमती शान्ती पूहाड़िया : श्रीमन् मैं माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहती हूं कि हमारे करोली में एक धार्मिक स्थान है और वहां पर बहुत से यात्री आते हैं, क्या वहां पर कोई ट्रेन चलाने का सरकार का कोई विचार है?

MR. CHAIRMAN: Not relevant to this question.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : माननीय सभापति जी, मैं रेल मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि खजुराहो जो कि पौराणिक, हिस्टोरिकल कल्चर प्लेस है और इस तरह के अनेक स्थान हैं, चाहे वे धार्मिक हों, ऐतिहासिक हों, प्राकृतिक दृष्टि के लायक हों, ऐसे स्थानों में रेल सेवा विकसित करने के लिए सप्तम पंचवर्षीय योजना में आपने कुछ प्रावधान किया है? जैसे अभी आपने कहा है कि खजुराहो में योजना है, लेकिन अभी एक्शन नहीं है, लेकिन सप्तम पंचवर्षीय योजना में इस प्रकार की खजुराहो की तरह और भी कितनी योजनाएं हैं जिनको कि हम विकसित करना चाहते हैं।

श्री माधव राव सिंधिया : फिलहाल कोई विचाराधीन नहीं है।

*215. [*The questioner (Shri Sukomal Sen) was absent. For answer,* vide *cols.* 42-43 infra].

Missing Question Papers for Class X of the All India Secondary School Examination

*216. SHRI SURAJ PRASAD:†
SHRI N. E. BALARAM:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a packet of question papers set for the All India Secondary School Examinations Class X for the year 1986-87 was found missing in Delhi resulting in the postponement of the examinaitons by a fortnight;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) what steps had been taken for the proper security of these question papers once they received from the press and packed;

(d) whether any enquiry has been made in this regard; and

(e) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF EDUCATION AND CULTURE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) to (e) A statement is laid on the Table of the Sabha.

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Suraj Prasad.